दृष्टि The Vision

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-6

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF / OPT-23 **H-2306**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Neeraj Dhakad **Mobile Number:** [redacted]

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: Delhi 27/07/2023 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 6316307

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ निर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.
Candidate has to attempt FIVE questions in all.
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क / SECTION - A

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: $10 \times 5 = 50$

Answer the following in about 150 words each:

(a) बृहदेश्वर मंदिर की वास्तुकला
Architecture of Brihadeshwara Temple

राजराज-I चोल शासक द्वारा तंजौर में बृहदेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया जो भारत में सबसे विशाल मंदिर है एवं यह द्रविड़ शैली में निर्मित किया गया है

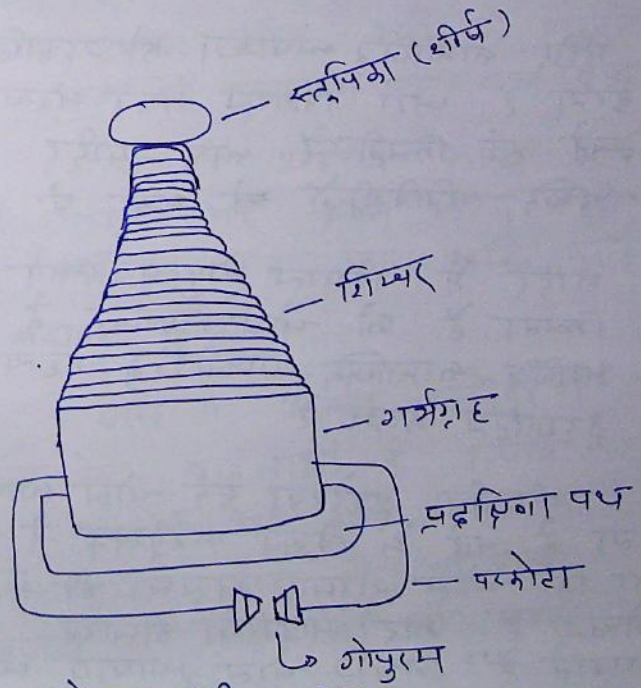

बृहदेश्वर मंदिर - तंजौर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

- बृहदेश्वर मंदिर में शैव धर्म को महत्व दिया गया तो साथ ही यहां राजराज -I की प्रतिमा भी स्थापित देखने को मिलती है

→ पत्थरों द्वारा निर्मित किया गया है और अलंकरण के लिये मंदिर की दीवारों पर विभिन्न कलाकृतियां बनाई गई हैं जहां पशु-पक्षी, फूल-पत्ती आदि का उल्लेख मिलता है

- मंदिर सामाजिक व्यवस्था को उद्घाटित करता है जहां विशाल भवन संरचना देखने को मिलती है साथ मंदिर स्थापित गतिविधियों से युक्त थे

→ मंदिर में विशाल गोपुरम देखने को मिलता है जो चोल साम्राज्य के आर्थिक-सामाजिक-राजनीतिक महत्व को उद्घाटित करता है

निष्कर्षतः बृहदेश्वर एवं चोल स्थापत्य कला के बारे में विद्वान फर्ग्यूसन ने कहा था कि 'चोल शासक राक्षसों की तरह सोचते हैं और जौहरियों की तरह तराशते हैं' अर्थात चोल स्थापत्य, स्थापत्य कला में महत्वपूर्ण योगदान रखता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) अक्का महादेवी
Akka Mahadevi

अक्का महादेवी वीरशैव संप्रदाय से जुड़ी महिला संत हैं जिन्होंने भगवान शिव को अपने पति के रूप में माना और उनकी आराधना पर बल दिया।

अक्का महादेवी ने समाज में भेदभाव एवं असमानता के विरुद्ध आवाज उठाई और भक्ति के माध्यम से समाज में समानता पर बल दिया,

साथ ही उन्होंने भक्ति के लिये जीवन भर नग्न रहते हुये विभिन्न क्षेत्रों में भक्ति मार्ग को बढ़ावा दिया।

साथ ही अक्का महादेवी ने समाज में महिलाओं के उत्थान के लिये विचारों में क्रांति लाने का प्रसार किया साथ ही वीरशैव संप्रदाय में महिलाओं की सहभागिता को महत्व मिला।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

शासन धर्म में कर्मकाण्ड पर चोट करते हुये एकेश्वरवाद पर बल दिया एवं पूजा-अर्चना जैसी गतिविधियों पर चोट की।

अक्का महादेवी द्वारा राजनीतिक जागरूकता को बढ़ावा दिया और महिलाओं को पुरुष के समान अधिकार देने पर बल देने के लिये शासकों को प्रेरित किया।

निष्कर्षतः अक्का महादेवी भक्ति क्षेत्र में वीरशैव संप्रदाय के माध्यम से उग्रवाद अधिकार को उद्घारित करती हैं जिन्होंने मध्यकाल में महिलाओं के अधिकारों को प्राप्त करने पर बल दिया, अर्थात् लैंगिक सशक्तिकरण में भूमिका निभाई।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) कन्नौज के राजनीतिक गुरुत्वाकर्षण केंद्र के रूप में उदय के भौगोलिक एवं सामरिक कारकों की चर्चा कीजिये।

Discuss the geographical and strategic factors of the rise of Kannauj as the political gravitational center.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गुप्तोत्तर काल में गुप्तों के पतन के बाद कन्नौज में मौखरि वंश की स्थापना हुई और इसी मौखरि वंश के शासक के साथ हर्षवर्धन की बहन राज्यश्री का विवाह संपन्न हुआ, फलतः मालवा के देवगुप्त एवं बंगाल के शशांक ने मिलकर मौखरि शासक की हत्या की, अर्थात् हर्षवर्धन द्वारा बदला लेने के लिये कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया।

कन्नौज के गुरुत्वाकर्षण के केंद्र के रूप में राजनीतिक कारकों के अतिरिक्त भौगोलिक एवं सामरिक भी हैं-

① भौगोलिक कारक - कन्नौज राज्य की अवस्थिति भारत के मध्य में थी जहां गंगा-यमुना दोआब था एवं विशाल उपजाऊ ज़मीन उपलब्ध थी, तो साथ

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

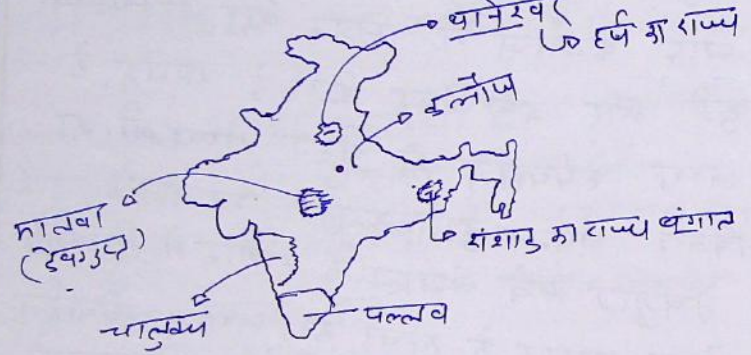

यह पूर्व-पश्चिम व्यापारिक मार्ग पर अवस्थित था जो आर्थिक स्थिति से सफल था, अर्थात् सीमावर्ती राज्यों ने इस पर नियंत्रण करने का प्रयास किया

सामरिक → कन्नौज का सामरिक महत्व इस रूप में भी था कि इस पर अधिकार करने वाला आर्थिक एवं व्यापारिक रूप से सक्षम हो सकता है एवं गंगा-यमुना दोआब में वाणिज्य तत्व. पश्चिम से घोड़ों का आयात प्रमुख था तो वहीं कन्नौज ऊँचाई पर स्थित होने के कारण युद्ध की स्थिति में सामरिक रूप से लाभदायक था और शत्रुओं पर आसानी से विजय पायी जा सकती थी

कन्नौज का महत्व आगे चलकर पूर्व मध्यकाल में भी रहा और इस पर अधिकार करने के लिये पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूटों में 200 वर्षों तक त्रिपक्षीय संघर्ष चला।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(d) प्रारंभिक तमिलकम में भक्ति के लोकाचार को विकसित करने में नयनारों और अलवारों के योगदान पर चर्चा कीजिये।

Discuss the contribution of the Nayanars and Alvars in developing the ethos of bhakti in early Tamilakam.

तमिलकम में भक्ति के लोकाचार विकसित करने के लिये अलवारों एवं नयनारों की अहम् भूमिका है और इन्होंने तमिल साहित्य की प्रगति को संभव बनाया।

नयनारों की भूमिका

→ नयनार शैव संप्रदाय को मानने वाले संत थे जिनमें कराइक्काल अम्मैयार एक महिला संत थी जो भक्ति में अपवाद के लिये जानी जाती है

→ तो वहीं नयनारों में सुंदरार, अप्पार जैसे भक्ति संत थे जिन्होंने भजनों की रचना की और 12 आंतरिक भजनों को 'तेवारम' के नाम से जाना जाता है।

→ साथ ही इन्होंने तमिल भाषा में

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

गीतों की रचना का तमिल भाषा एवं साहित्य को बढ़ावा दिया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अलवारों की भूमिका

→ अलवारों द्वारा वैष्णव सम्प्रदाय को बढ़ावा दिया जिसमें एक मात्र महिला संत 'अंडाल' की भूमिका महत्वपूर्ण है

→ अलवार संतो ने राजनीतिक रूप से शासकों को वैष्णव सम्प्रदाय को बढ़ाने का कार्य किया और चोल एवं पल्लव शासकों ने ब्राह्मण एवं वैष्णव धर्म को बढ़ावा दिया

→ अलवारों द्वारा भक्ति गीतों की रचना की गई जो सामाजिक समानता को प्रदर्शित करते हैं

तमिल क्रम साहित्य एवं सभ्यता में सामाजिक सद्भाव एवं नैतिकता का विकास प्राचीन काल में नयनार एवं अलवारों संतों द्वारा किया गया और महिलाओं के हितों को संरक्षण, भेदभाव को कम करने पर बल दिया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) सिक्कात्मक साक्ष्य कुषाणों और सातवाहनों के समय के राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण को कैसे दर्शाते हैं?

How does numismatic evidence of of the Kushanas and the Satavahanas reflect the political and economic outlook of that period?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सिक्कात्मक साक्ष्य किसी साम्राज्य की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक विशेषताओं को उद्घाटित करते हैं और डी. के. चक्रवर्ती जैसे विद्वानों ने पुरातात्विक साक्ष्यों के अध्ययन पर बल दिया, जिनमें सिक्कों को शामिल किया जाता है

कुषाणों का दृष्टिकोण

① राजनीतिक दृष्टिकोण - कुषाणों द्वारा सर्वप्रथम सोने के सिक्के चलाये गये और ~~विमकडफिसस~~ कुजुल कडफिसस के सिक्कों पर शैव धर्म के साक्ष्य मिलते हैं तो वहीं कनिष्क के सिक्कों पर 'धर्म लिपि' उल्लेखित है फलतः धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण उद्घाटित होता है, साथ ही सिक्कों पर उपाधि अंकित है एवं ~~[illegible]~~ युद्ध के चित्र अंकित राजा की मूर्तियों को सिक्कों पर चित्रित किया गया है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(2) आर्थिक - व्यापारिक श्रेणियाँ, जहाज, हाथी आदि का उल्लेख सिक्कों पर मिलता है तो वहीं शुद्ध सोने के सिक्के और उनका अंतर्राष्ट्रीयकरण किया गया जो १५० ग्रेन के थे आर्थिक स्थिति को उद्घाटित करता है

सातवाहनों का दृष्टिकोण

(1) राजनीति

→ मातृसत्तात्मक समाज क्योंकि सातवाहनों शासकों का नाम माता के नाम से उल्लेखित है

- जोगलथंबी से मिले सिक्कों के माध्यम से शकों पर गौतमीपुत्र शातकर्णी की विजय मिलती है

→ विभिन्न विद्वानों एवं अभिदान का उल्लेख मिलता है

→ क्षत्रियदर्पमानमर्दन, द्वारा पाकुलाभ जैसी उपाधियों का उल्लेख

(2) आर्थिक

→ कल्याणी, सोपारा जैसे बंदरगाहों का विकास आर्थिक स्थिति को उद्घाटित करता है

→ दक्कन में शिल्प निर्माण

→ सातवाहनों द्वारा नौसेना का विकास उनके व्यापार को उद्घाटित करता है।

सिक्के किसी समाज की आर्थिक एवं भौतिक व्यवस्था की पहचान होते हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) वाकाटक वंश के सुदृढ़ीकरण में विंध्यशक्ति और प्रवरसेन के शासनकाल के महत्त्व पर प्रकाश डालिये। 20

Highlight the significance of the reigns of the Vindhyashakti and Pravarasena in the consolidation of the Vakataka dynasty. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) सातवाहन प्रशासन काफी हद तक धर्मशास्त्रों में निर्धारित सिद्धांतों पर आधारित था। स्पष्ट कीजिये। 15

The Satavahana administration was largely based upon principles laid down in Dharmashastras. Elucidate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) भारतीय समाज के संदर्भ में फाह्यान के विवरण की आलोचनात्मक चर्चा कीजिये। 15

Critically discuss Fa Hien's account of the society of India. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (a) कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रकूटों के योगदान का परीक्षण कीजिये। 20

Examine the contribution of the Rashtrakutas to art and culture. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राष्ट्रकूट वंश की स्थापना दंतिदुर्ग द्वारा दक्कन क्षेत्र में पल्लवों के पतन के पश्चात् की और इन्होंने कन्नौज पर अधिकार करने के लिये त्रिपक्षीय संघर्ष में भाग लिया. तो साथ कला एवं संस्कृति के विकास में इनका योगदान देखा जा सकता है

राष्ट्रकूटों का कला के क्षेत्र में योगदान -

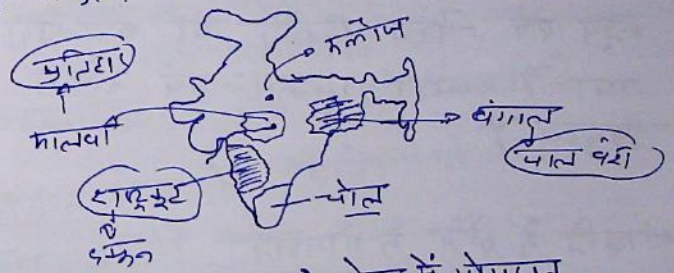

- स्थापत्य कला के क्षेत्र में राष्ट्रकूटों द्वारा एलीफेंटा गुफा स्थापत्य का निर्माण किया गया और एलोरा गुफा स्थापत्य में अलग धर्म से संबंधित गुफाओं का निर्माण किया गया.
- तो वहीं मंदिर स्थापत्य में कृष्ण-I ने एलोरा में कैलासनाथ मंदिर का निर्माण

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बनाया, जो एकाश्मक गुफा स्थापत्य का उदाहरण है और इसमें ऊपर से नीचे की ओर गुफा को काट कर नक्काशी की गई है

→ साथ ही अमरावती मूर्तिकला को प्रतिनिधित्व करते हैं एवं अमरावती शैली में मूर्ति निर्माण को बढ़ावा दिया गया है

→ स्तूप एवं चैत्य विहारों पर बल दिया गया है जहाँ पूजा एवं कलाकृति प्रमुख है

संस्कृति के क्षेत्र में योगदान -

- राष्ट्रकूटों के शासनकाल में साहित्य के संबंध में कन्नड़ एवं तेलुगु साहित्य का विकास हुआ तो साथ ही अपभ्रंश का विकास देखने को मिलता है

→ राष्ट्रकूटों के समय कन्नड़ भाषा के त्रिरत्न ~~[illegible]~~ पम्पा, पोन्ना, रन्ना निवास करते थे जहाँ पंपा ने आदिपुराण, पोन्ना ने शांतिपुराण की रचना की।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ साथ ही देखा जाये तो अमोघवर्ष द्वारा 'कविराजमार्ग' साहित्यिक कृति की रचना की गई जो व्याकरण ग्रंथ के रूप में मौजूद है एवं कविराजमार्ग में राजनीति सिद्धांतों का उल्लेख मिलता है

→ राष्ट्रकूटों द्वारा दक्कन में वस्त्र निर्माण पर बल दिया क्योंकि यह क्षेत्र कपास उत्पादक क्षेत्र था

→ राष्ट्रकूटों ने चित्रकला पर बल दिया गया जो एलीफेंटा एवं एलोरा की गुफाओं में देखने को मिलती है

→ संगीत क्षेत्र में विद्वानों को संरक्षण दिया और उन्होंने भक्ति गीतों की रचना की

→ ईरानी विद्वानों को राष्ट्रकूट शासकों द्वारा संरक्षण दिया गया है

राष्ट्रकूट शासक ~~[illegible]~~ एवं मध्यकाल में भारत के धर्मनिरपेक्ष शासक थे जिन्होंने न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ किया और समाज में प्रजा हित पर बल दिया गया और एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण किया जिसकी प्रासंगिकता वर्तमान में देखने को मिलती है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) हाथीगुम्फा अभिलेख के विशेष संदर्भ में खारवेल शासक महामेघवाहन का विवरण दीजिये। 15

Write an account of Kharavela ruler of Mahameghvahana with particular reference to the Hathigumpha Inscription. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हाथीगुम्फा अभिलेख की स्थापना कलिंग राज्य के शासक खारवेल जो महामेघवाहन वंश से संबंधित था द्वारा करवाई गई और इस अभिलेख के माध्यम से खारवेल ने प्रजा से संबंधो को बनाये रखने का प्रयास किया जैसा कि मौर्य शासक में अशोक ने किया था

हाथीगुम्फा अभिलेख

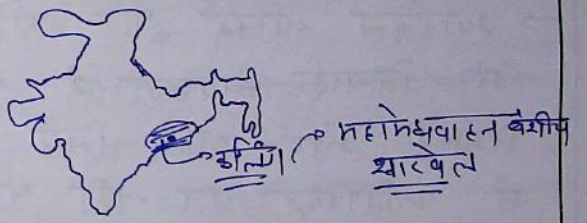

- अभिलेखीय साक्ष्य मौर्योत्तर काल से संबंधित है
- → खारवेल जैन धर्म का अनुयायी होने का पता चलता है
- → जैन धर्म के भिक्षुओं के निवास स्थान के लिये उदयगिरी-खंडगिरी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

में गुफा स्थापत्य निर्माण कराने की बात का उल्लेख मिलता है अर्थात् इस अभिलेख के माध्यम से राजा का धार्मिक पहलू उजागर होता है

→ साथ ही राजा अन्य धार्मिक संप्रदाय के प्रति सहिष्णु था और अन्य संप्रदाय के विद्वानों को संरक्षण प्रदान करता था।

→ खारवेल शासक द्वारा कलिंग राज्य में सिंचाई व्यवस्था के झील का निर्माण और उसके लिये प्रजा से अतिरिक्त कर नहीं वसूला गया अतः यह कार्य राजा के कल्याणकारी दृष्टिकोण को उद्घाटित करता है

→ तो वहीं इस गुफा अभिलेख के माध्यम से शासक अपने राजकीय कार्यों को प्रजा तक पहुँचाने के लिये प्रयास करता है और उनके हितों पर बल देता है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ खारवेल, अन्य शासकों द्वारा बंदरगाहों निर्माण के रूप में पारादीप, एवं काकीनाडा जैसे बंदरगाहों की उपस्थिति विदेश व्यापार को रचित करती है

→ खारवेल, अन्य शासकों द्वारा समुद्रीय व्यापार दक्षिण पूर्व एशिया से जुड़ा था और खारवेल शासकों द्वारा नौसेना और व्यापार पर नियंत्रण के माध्यम से इन व्यापार एवं उनकी सुरक्षा की जाती है।

→ उड़ीसा में विभिन्न शिल्प निर्माण को प्रोत्साहन किया गया और मौद्रिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया।

खारवेल द्वारा कलिंग राज्य को उत्पादन एवं दक्षिणी राज्यों से व्यापारिक संबंधों के रूप में देखा जाता था अतः इसके उद्यमता एवं विकास पर बल दिया गया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) गुप्त काल में शूद्रों की स्थिति में एक विरोधाभासी तत्त्व दिखाई देता है, जिसकी पृष्ठभूमि में दान और पुराणों की भूमिका उल्लेखनीय रूप से देखी जाती है। व्याख्या कीजिये। 15

A contradictory element is visible in the position of the Shudras in the Gupta Period, in the background of which, the role of donations and the Puranas is significantly visible. Explain. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

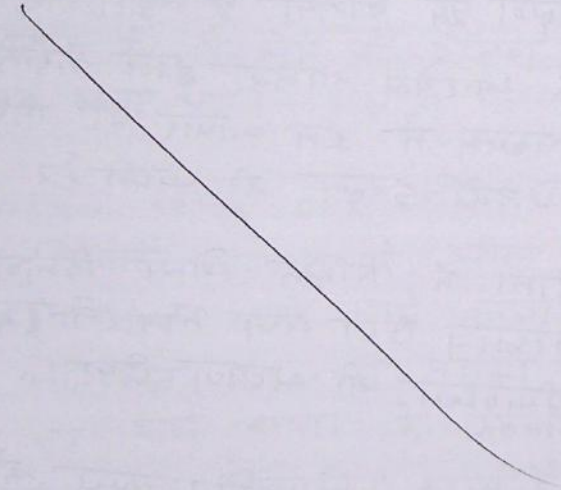

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

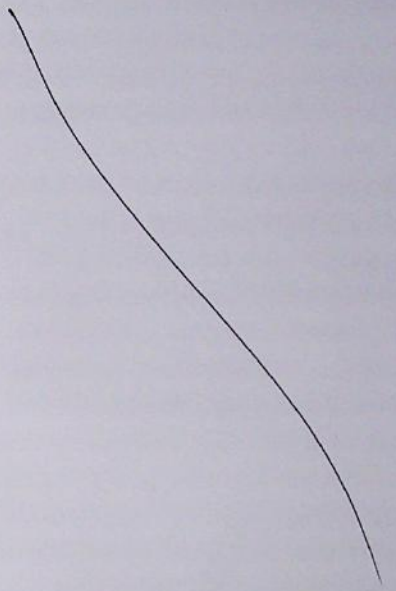

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (a) संगम काल के पुरातात्विक साक्ष्य शास्त्रों में वर्णित कई नगरों और स्थलों की ऐतिहासिकता हेतु एक ठोस आधार प्रदान करते हैं। व्याख्या कीजिये। 20

Archaeological evidence of Sangam period provides a concrete ground to historicity of many cities and sites described in scriptural accounts. Explain. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) गुप्त काल के दौरान श्रेणी और व्यापारिक संगठनों की क्या स्थिति थी? 15
What was the status of guilds and trade organizations during the Gupta period? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) प्रारंभिक भारत में तंत्रवाद के उद्भव और विशेषताओं पर चर्चा कीजिये। 15
Discuss the emergence and features of Tantrism in Early India. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये: 10 × 5 = 50
Answer the following in about 150 words each:

(a) यह कहना कहाँ तक सत्य है कि लेखापद्धति की भूमिका चालुक्य साम्राज्य का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत थी?
How far is it true that the role of Lekhapaddhati was an important source for the Chalukya kingdom?

चालुक्यों द्वारा दक्कन में एक समृद्ध साम्राज्य की स्थापना की और धर्मनिरपेक्ष स्वरूप राज्य के निर्माण पर बल देकर लेखन पद्धति एवं कला के क्षेत्र में योगदान दिया।

लेखापद्धति

- चालुक्य शासक पुलकेशिन-II के राज्य मंत्री रविकीर्ति द्वारा एहोल अभिलेख की रचना जो संस्कृत में है अतः इसके माध्यम से चालुक्य साम्राज्य की महत्वता का पता चलता है।

→ एहोल अभिलेख के माध्यम से ही नर्मदा तट पर हुये हर्षवर्धन एवं पुलकेशिन-II के बीच युद्ध का विवरण मिलता है और इनमें पुलकेशिन की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

की विजय का उल्लेख मिलता है।

→ साथ ही चालुक्यों की राजधानी वातापी या बादामी के मंदिर निर्माणों पर बल और वहाँ लेखनपद्धति पर बल दिया गया है जहाँ मंदिरों की दीवारों पर लेख लिखे गये हैं।

→ पुलकेशिन-II स्वयं एक विद्वान था जिसने समाज में शिक्षा को बढ़ावा दिया गया और विद्वानों को संरक्षण प्रदान किया जहां रविकीर्ति जैन मतानुयायी होते हुए भी राज्य मंत्री बनाया गया।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है चालुक्य शासकों के कार्यों के समान लेखन एवं अभिलेखों की स्थापना पर बल दिया और इन्हीं आधारों पर इनके साम्राज्य की विशेषताओं को देखा जा सकता है जहाँ ह्वेनसांग ने ऐहोल अभिलेख के विवरण को पूरा करने का कार्य किया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) गुप्त काल के दौरान कराधान की प्रणाली पर प्रकाश डालिये।

Throw light on the system of taxation during Gupta period.

गुप्त काल में कराधान प्रणाली के रूप में भूराजस्व प्रमुख था जिसे 'उद्रंग' कहा जाता था जो उपज का 1/6 भाग था।

गुप्त काल के दौरान कराधान प्रणाली-

→ गुप्तकाल में कराधान प्रणाली का विकास हुआ तो वहीं भूमिदान प्रणाली की अवधारणा के विस्तारित होने से कराधान प्रणाली आगे में विस्तारित हुई लेकिन आगे इसने सामंती व्यवस्था को उत्पन्न करने में भूमिका निभाई

→ उद्रंग के अतिरिक्त व्यापार कर एवं जुर्माना लिया जाता था

→ भूमिदान व्यवस्था का लेखा-जोखा करने के लिये 'प्रथम कायस्थ' की नियुक्ति की गई जो कराधान प्रणाली को व्यवस्थित करती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

→ आरंभ में गुप्त काल में आंतरिक एवं बाह्य व्यापार में समुचित अवस्था में था लेकिन धीरे-धीरे व्यापार में गिरावट भी देखने को मिलती है जो भौतिक अर्थव्यवस्था पर चोट करती है फलतः कराधान के रूप में अनेक नगद एवं मुद्रा होने प्रचलित थे लेकिन आगे इसमें कमी आयी और अधिकारियों को भूमि अनुदान दिया जाने लगा

→ गुप्तकाल में जुर्माना के रूप में कर वसूला जाता था जहाँ ब्राह्मण पर सबसे कम तो शूद्र पर अधिक लगाया जाता था

→ व्यापारिक गतिविधि के ऊपर सार्थवाह के माध्यम से नियंत्रण रखा जाता था जो करारोपण व्यवस्था को प्रभावित करता है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है गुप्तकाल में कराधान प्रणाली विकसित थी लेकिन यह मौर्यों की तरह संस्थागत नहीं थी और आगे गुप्तोत्तर काल में सामंती व्यवस्था के उद्भव के कारण इसमें अंतर देखा जा सकता है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "हालांकि प्रारंभिक ऐतिहासिक दक्षिण भारत में राजनीतिक शक्ति के वैधीकरण का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार कवियों की प्रशंसा थी, संगम कविताएँ शाही प्रतिष्ठा और वैधता के नए आधारों के उद्भव को भी दर्शाती हैं।" विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।

"Though the most important basis of legitimization of political power in early historical South India was the eulogy of the poets, Sangam poems also reflect the emergence of new bases of royal prestige and legitimacy." Elaborate.

संगम साहित्य का उद्भव तमिल कवियों की तीन बैठकों से हुआ जो पांड्य राजाओं के संरक्षण में संपन्न हुई और इन्होंने राजा के प्रशंसा से संबंधित 'संगम साहित्य' का निर्माण किया है

संगम, मौर्योत्तर काल से संबंधित हैं जहां प्रथम एवं तृतीय बैठक मदुरई में संपन्न हुई जहां तृतीय बैठक में आठ ग्रंथों का संकलन 'एट्टुतोगई' रूप में किया गया है।

- तो वहीं द्वितीय संगम कपाटपुरम में हुई जिसकी अध्यक्षता अगस्त्य ऋषि एवं तोलकाप्पियर ने की और यहां व्याकरण

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

ग्रंथ के रूप में 'तोलकाप्पियम' नामक ग्रंथ का संकलन किया गया है

→ राजनीतिक वैभव के रूप में पांड्य राजाओं एवं चोल, चेर राजाओं के बारे में इलांगोआडिगल द्वारा रचित 'शिलप्पादिकारम' में उल्लेख मिलता है जहां 'मदुरै' नगर का वर्णन एवं उसकी आर्थिक स्थिति राजनीतिक रूप से पांड्यों की महत्वता को उद्घाटित करती है

→ साथ ही मणिमेखलै, जीवक चिंतामणि अन्य ग्रंथ हैं जिन्होंने चेर, चोल, पांड्य साम्राज्यों के बारे में वर्णन किया है तो साथ ही राजनीतिक रूप से राजाओं की प्रशंसा का वर्णन किया है

निष्कर्षतः काव्य प्रवृत्तियों एवं राजा की प्रशंसा की प्रवृत्तियों पर आधारित संगम साहित्य संगम काल की वास्तविक छवि प्रस्तुत करते हैं और संगम काल की आर्थिक उन्नति को उद्घाटित करते हैं।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) साहित्यिक स्रोतों और भित्ति चित्रों की सहायता से गुप्त काल में चित्रकला की कला के विकास को चित्रित एवं निरूपित कीजिये।

Delineate the development of the art of painting in Gupta period with the help of literary sources and Mural cave paintings.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गुप्तकाल को शिक्षा, साहित्य, सांस्कृतिक क्षेत्रों में उपलब्धियों के कारण ही स्वर्णकाल की संज्ञा दी जाती है जिसमें साहित्यिक स्रोत एवं चित्रकला का विशेष महत्व है।

साहित्यिक स्रोत

→ कालिदास द्वारा रचित 'मेघदूतम' ग्रंथ के पात्रों का चित्रण किया गया है

→ धन्वंतरी द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में वैज्ञानिक उपलब्धियां एवं मानवशरीर से संबंधित विशेषताओं का उल्लेख किया गया है

→ कामंदक की 'नीतिसार' का चित्रण के रूप में

→ विष्णुशर्मा का 'पंचतंत्र' का राजस्थान क्षेत्र में चित्रकला में उल्लेख मिलता है

→ विशाखदत्त द्वारा रचित देवीचन्द्रगुप्तम्

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के पात्रों का चित्रों के रूप में उद्घाटित किया जाता है अतः साहित्यिक स्रोत चित्रकला के विकास में सहायक हुये

भित्ति चित्रकला

— अजन्ता गुफा चित्रकला में बौद्ध विषय से संबंधित चित्रों को देखा जा सकता है जहाँ गुफा संख्या 16 में मरणासन्न राजकुमारी का चित्र करुणा एवं वियोग को उद्घाटित करता है

→ अजन्ता गुफा संख्या-17 में बुद्ध के गृहत्याग, महापरिनिर्वाण का उल्लेख

→ बाघ गुफा चित्रकला में धर्म एवं धर्मनिरपेक्ष पहलू का उल्लेख मिलता है जहाँ हाथियों की लड़ाई, शोकाकुल युवतियों का अंकन महत्वपूर्ण भित्ति चित्रकला है।

साहित्यिक स्रोत एवं भित्ति, पुरातात्विक स्रोतों के संगम ने चित्रकला के महत्व को बढ़ावा दिया और इसने समाज में मानवता की प्रासंगिकता को बढ़ावा दिया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) बादामी के चालुक्यों के धर्म और स्थापत्य में योगदान का विवरण दीजिये।

Give an account of the contribution of the Chalukyas of Badami to religion and architecture.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बादामी के चालुक्यों द्वारा कर्नाटक एवं महाराष्ट्र के क्षेत्र में शासन किया और इन्होंने वैष्णव धर्म या ब्राह्मण धर्म से संबंधित मंदिर स्थापत्य पर बल दिया और इनकी राजधानी वातापी या बादामी थी।

चालुक्यों का धर्म में योगदान -

→ चालुक्यों ने धार्मिक क्षेत्र में धर्मनिरपेक्ष नीति का पालन किया और चालुक्य शासक पुलकेशिन-II की नीतियां धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण से युक्त थीं

→ चालुक्यों द्वारा पट्टदकल में मंदिर निर्माण एहोल में मंदिर निर्माण पर बल दिया गया जहाँ धार्मिक दृष्टिकोण को उद्घाटित किया है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(स्थापत्य)

→ मंदिर निर्माण में वेसर शैली को महत्व दिया है जहां पापनाथ मंदिर चालुक्य स्थापत्य कला का प्रमुख मंदिर माना जाता है

→ एहोल में मंदिरों के समूहों का निर्माण देखने को मिलता है

→ यहां स्थापत्यकला के द्रविड़ शैली की विशेषताओं को देखा जा सकता है जहाँ पिरामिडनुमा शिखर दिखाई देता है।

→ चालुक्य शासकों ने बादामी या वातापी में स्थापत्य शैली में पत्थर निर्माण एवं गुफामंदिर को बढ़ावा दिया

चालुक्य शासकों ने सामाजिक समरसता की नीति अपनाई अपने यहाँ विभिन्न धर्मों को संरक्षण दिया तो साथ ही उत्तर भारत की राजनीति में भाग लिया।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) "हर्ष विद्या और कलाओं का संरक्षक था और उसके पास स्वयं विभिन्न प्रकार की प्रतिभाएँ थीं।" टिप्पणी कीजिये। 20

"Harsha was a patron of learning and the arts and had various talents himself." Comment. 20

हर्षवर्धन गुप्तोत्तर काल का महान शासक था जिसने अपनी राजधानी कन्नौज बनायी और इसी के समय चीनी यात्री ह्वेनसांग ने भारत की यात्रा की और हर्षवर्धन के बारे में उल्लेख किया

हर्ष द्वारा दिया गया संरक्षण -

(विद्या)

→ विद्वानों को संरक्षण दिया जहाँ हर्षवर्धन द्वारा बाणभट्ट को अपना राजकवि बनाया एवं बाणभट्ट ने हर्षचरित, कादम्बरी एवं चण्डीशतक और ग्रंथो की रचना की है

→ तो वहीं ह्वेनसांग को संरक्षण दिया और ह्वेनसांग ने नालंदा विश्वविद्यालय के बारे में उद्धारित किया है

→ हर्ष द्वारा प्रति पाँचवे वर्ष प्रयाग में

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष : 8448485518, 011-47532596, 8750187501 :: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

महामोक्षपरिषद का उल्लेख किया जाता था जहाँ वैदिक धर्म के विद्वानों को दान पुण्य किया जाता था इसका उल्लेख ह्वेनसांग भी करता है

→ नालंदा महाविद्यालय के लिये दान के रूप में 100 गांवो के राजस्व प्रदान किये जाने का उल्लेख ह्वेनसांग करता है और इस विद्यालय में विश्व से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते थे

कलाओं का संरक्षण

→ स्तूप विहारों के निर्माण पर बल दिया गया और उनका संरक्षण करने पर बल दिया गया

→ संगीत के संरक्षण पर बल दिया गया

→ चित्रकला के क्षेत्र में इसके समय विकास देखा जा सकता है और सामंती व्यवस्था के उदय ने क्षेत्रीय कला को बढ़ावा दिया

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ इसी में उपस्थित दुर्लभवर्धन के साम्राज्य में बुद्ध के दांत को अपने साम्राज्य में ले आता है

→ बांसखेड़ा एवं मधुबन ताम्रपत्र हर्ष के समय अभिलेखीय अर्थात ताम्रपत्रीय साक्ष्यों की उपस्थिति मिलती है

गौरतलब है कि हर्ष भी विभिन्न कलाओं में मग्न था जैसे-

साहित्य

↳ प्रियदर्शिका, रत्नावली जैसे ग्रंथो की रचना

→ उसके सिक्कों पर उसे वीणा बजाते हुये दिखाया गया है, अर्थात इससे उसकी संगीत के क्षेत्र में रुचि का पता चलता है

निष्कर्षतः हर्षवर्धन ने उत्तर भारत में एक महत्वपूर्ण साम्राज्य के निर्माण को संभव बनाया और इस माध्यम से उसने अपने साम्राज्य को विस्तारित किया और कला, साहित्य को संरक्षण प्रदान किया जिसकी प्रासंगिकता वर्तमान में देखी जा सकती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) आचार्यों ने भक्ति के वैचारिक आधार के विकास में किस प्रकार योगदान दिया? 15

How the Acharyas contributed to the development of the ideological basis of Bhakti? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भक्ति के विचारों के लिये आचार्यों की भूमिका को देखा जा सकता है और उन्होंने समाज के कर्मकाण्ड से अलग दृष्टिकोण को अपनाने पर बल देकर पुराणों एवं वेदों के अध्ययन के लिये जागरूकता को बढ़ावा दिया।

भक्ति के वैचारिक आधार में आचार्यों की भूमिका –

→ महिलाओं के शिक्षा के क्षेत्र में ख्याति को देखा जा सकता है

→ दर्शन के अपनाना – कराइक्कल अम्मैयार एवं अलवार संत अंडाल को देखा जा सकता है जो अपने हितों के समूहों के साथ जुड़ाव रहीं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ अम्मा मट्टोडी का वीरशैव
सम्प्रदाय के साथ [illegible] लगाव को
आचार्यों की भूमिका के लिये
देखा जा सकता है

→ बहिनाबाई द्वारा संत तुकाराम
को गुरु बनाया गया और
भक्ति आंदोलन को बढ़ावा दिया

→ जनाबाई ने भक्ति आंदोलन
के लिये विठोबा को अपना
मित्र बनाया

→ मीराबाई द्वारा रैदास को ~~शिष्य~~ गुरु
~~बनाया~~ बनाया गया और
यहां उनके भक्ति मार्ग के
आचार्य की भूमिका को देखा
जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

निष्कर्ष: कहा जा सकता है
भक्ति आंदोलन में कबीर, नानक,
रामानुजन, जैसे संतो द्वारा
समानता, स्वतंत्रता, प्रेम को बढ़ावा
दिया गया और भक्ति आंदोलन
को प्रभावित किया और आंदोलन
का सामाजिक आधार प्रभावित हुआ
अर्थात् न ही स्त्रियों ने भक्ति
आंदोलन के लिये आचार्यों की
भूमिका बढ़ जाती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) "यद्यपि नाडु और नगरम ने शहरीकरण के विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, फिर भी अन्य कारक थे जिन्होंने चोलों के दौरान शहरीकरण के लिये उपयुक्त वातावरण बनाया।" विस्तार से चर्चा कीजिये। 15

"Though nadu and nagaram played a significant role in the growth of urbanization, there were other factors which created a suitable environment for urbanization during the Cholas." Elaborate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

नाडु और नगरम चोल साम्राज्य में शासन प्रणाली से जुड़ी व्यवस्था है जिन्होंने शहरों में बेहतर शासन को संभव बनाया और लोगों के हितों पर बल दिया, लेकिन विभिन्न विद्वानों द्वारा अलग-अलग कारकों को शहरीकरण के लिये जिम्मेदार माना है।

चोलों के दौरान शहरीकरण के लिये जिम्मेदार कारक -

(1) व्यापार-वाणिज्य - व्यापार-वाणिज्य ने बंदरगाही नगरों के विकास को संभव बनाया जैसे अरिकामेडु, मजीरिस, पुहार आदि

(2) उत्पादन केन्द्र -> मदुरै अपने सूती वस्त्र के लिये प्रसिद्ध था जहाँ रोमन प्रकार के माल मेवेघों के उत्खनन के बारे में पता चलता है अतः उत्पादन केन्द्रों ने नगरों के विकास को संभव बनाया

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(3) धार्मिक केन्द्र - आर. चम्पकलक्ष्मी जैसे विद्वानों ने दक्षिण में शहरीकरण के लिये मंदिरों के महत्व को उजागर किया है जहाँ गंगईकोंडचोलपुरम, एवं तंजौर के संदर्भ में देखा जा सकता है

(4) कृषि उत्पादन - दक्षिण में कावेरी एवं गोदावरी डेल्टा कृषि उत्पादन अधिशेष पर बल दे रहे थे फलतः कृषि अधिशेष ने इसे और बल दिया

(5) राजनीतिक कारक - राजाओं ने शहरों के निर्माण पर बल दिया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

जहां राजेन्द्र-I ने गंगैकोण्डचोलपुरम के बारे में समझा जा सकता है

निष्कर्षतः बी.डी. चट्टोपाध्याय जैसे विद्वानों ने शहरीकरण पर बल देने के लिये व्यापार-वाणिज्य के अतिरिक्त राजनीतिक एवं मानविक, सामाजिक गतिविधियों को जिम्मेदार माना है तो वहीं अन्य विद्वानों ने कृषि अधिशेष साथ ही कहा जा सकता है शहरीकरण के लिये विभिन्न स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जहां चोल साम्राज्य में इनके विकास को देखा जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) गुप्त काल में स्थापित शैक्षणिक संस्थानों का वर्णन कीजिये। 20
Describe the educational institution set up during Gupta period. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

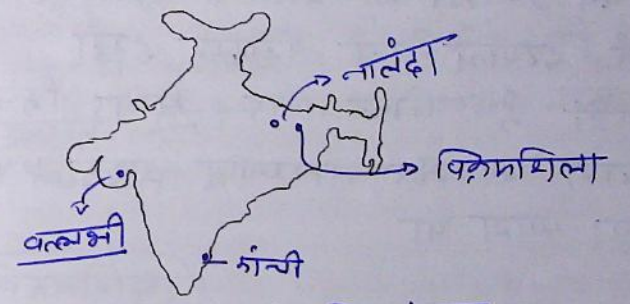

गुप्तकाल अपनी शैक्षणिक, सांस्कृतिक विशेषताओं के आधार पर स्वर्णकाल के रूप प्रतिबिम्बित होता है जहां विद्यालय निर्माण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं

प्रमुख गुप्तकालीन शैक्षणिक संस्थान

① नालंदा

→ गुप्त शासक कुमारगुप्त द्वारा इसका निर्माण करवाया गया और यहां दर्शन, ज्योतिष, गणित, भूगोल, साहित्य जैसे विषयों की शिक्षा दी जाती थी

→ बौद्ध धर्म से संबंधित शिक्षा को

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

ग्रहण करने के लिये तिब्बत, चीन एवं अन्य देशों से छात्र यहाँ आते थे

→ ह्वेनसांग ने यहाँ शिक्षा ग्रहण की और इसके बारे में उल्लेख किया और कहा कि यहाँ 10,000 छात्र रह सकते हैं

→ नालंदा विद्यालय में एक प्रवेश परीक्षा प्रणाली का उल्लेख मिलता है जहाँ दरवाजे पर शिक्षक द्वारा छात्रों के साथ वाद-विवाद किया जाता था और तत्पश्चात् उनको प्रवेश दिया जाता था

वल्लभी

↳ गुप्तकाल में वल्लभी एक प्रमुख शिक्षा का केन्द्र था जहाँ बौद्ध धर्म के हीनयान सम्प्रदाय से संबंधित शिक्षा दी जाती थी

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

↳ गुप्तकाल के शासकों व पाल शासकों ने यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को जमा करके रखा था

कांचीपुरम

↳ पल्लवों के तहत कांचीपुरम राजधानी के रूपों में था तो साथ ही यह शिक्षा का महत्वपूर्ण केन्द्र था जो ब्राह्मण शिक्षा का केन्द्र था

→ यहाँ से मयूरशर्मन के निकाले जाने के पश्चात् उसने वनवासी में कदंब वंश की स्थापना की

विक्रमशिला

→ इसकी स्थापना धर्मपाल द्वारा की गई और यहाँ बौद्ध से संबंधित शिक्षा दी जाती थी आगे चलकर यह विद्यालय नालंदा को टक्कर देने लगा था

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

तोलाच ही बंगाल एवं बिहार में अन्य विद्यालयों की उपस्थिति थी जो शिक्षा के प्रसार के लिये जानी जाती थी।

निष्कर्षत: गुप्तकाल में शिक्षण उत्कृष्ट एवं विद्वान जैसे कालिदास, अमरसिंह, धन्वंतरी, वराहमिहिर का नाम उल्लेखनीय है और इन्होंने शिक्षा साहित्य को बढ़ावा दिया अलावा भारत के दार्शनिक चिंतन का विकास देखा जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

(b) गुप्त काल के दौरान भूमि अनुदान से संबंधित वैचारिक मतभेदों की चर्चा कीजिये। 15
Discuss the historical debates sorrounding the land grants during the Gupta period. 15

गुप्तकाल में भूमि अनुदान धार्मिक उद्देश्य के साथ-साथ अधिकारियों को दिया जाने लगा और दान प्राप्तकर्ता को भूमि पर वंशानुगत अधिकार, प्रशासन का अधिकार, एवं भूगर्भीय संपदा पर अधिकार दिया गया जहाँ विभिन्न विद्वानों में मतभेद दिखाई देता है

भूमि अनुदान से संबंधित वैचारिक मतभेद -

→ आर. एस. शर्मा द्वारा भूमि अनुदान को राजनीतिक विकेन्द्रीकरण के रूप में देखा जाता है जबकि बी.डी. चट्टोपाध्याय भूमि अनुदान को राजनीतिक एकीकरण के रूप में देखते हैं

→ आर. एस. शर्मा इसे केंद्रीय सत्ता के कमजोर होने के रूप में देखते हैं

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तो वहीं बी.डी. चट्टोपाध्याय इसे क्षेत्रीय राज्यों के रूप में विकेन्द्रीकरण के रूप में देखते हैं

→ आर. एस. शर्मा ने इसका प्रभाव शहरीकरण गिरावट में देखा है जबकि बी. डी. चट्टोपाध्याय इसे शहरीकरण अर्थात् तृतीय शहरीकरण के रूप में देखते हैं।

→ वस्तुतः शहरीकरण में भूमि अनुदान को इस रूप में देखा जा सकता है कि भूमि अनुदान ने क्षेत्रीय उद्भव को संभव बनाया और एक बड़े अर्थव्यवस्था को संभव बनाया जहाँ आंतरिक रूप से जरूरतों के उपयोग पर बल दिया गया है।

→ भूमि अनुदान प्रणाली आरंभिक रूप से धार्मिक रूप में दी जाती थी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लेकिन धीरे-धीरे इसके उपसामंतीकरण की प्रवृत्ति देखी गई और अधिकारियों को भूमि अनुदान, वेतन के बदले भूमि अनुदान दिया गया फलतः राजनीतिक प्रशासन में कमजोरी देखी गई और केंद्रीय सत्ता में बिखराव आया और समाज में तनाव उत्पन्न हुआ

निष्कर्षतः सामंती व्यवस्था ने गुप्तों के पतन को संभव बनाया और एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली का निर्माण किया जिसमें क्षेत्रीय संप्रभु विद्यमान था और स्वयं को बाह्य आक्रमण के लिये संवेदनशील बनाया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) सातवाहन साम्राज्य की उत्पत्ति एवं इसके विस्तार की चर्चा करते हुए, भारत में धर्म और साहित्य के विकास में उनकी भूमिका का वर्णन कीजिये। 15

How did the Satavahana empire come into existence and expand, and what was their role in the development of religion and literature in India? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सातवाहन राज्य की स्थापना सिमुक द्वारा दक्कन में की गई और इसने शक, कुषाणों पर विजय प्राप्त कर एक बड़े क्षेत्र पर अधिकार कर शासन किया।

मौर्योत्तर काल में केंद्रीय सत्ता के विभाजन के परिणामस्वरूप दक्कन के ब्राह्मणों द्वारा शासन किया गया और इन्होंने विभिन्न उपाधियाँ धारण की और आस-पास के राज्यों पर आक्रमण का विस्तार

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

को केंद्र बनाया जहाँ गौतमीपुत्र शातकर्णी द्वारा नहपान (शक शासक) को पराजित किया और पश्चिमी भाग पर अधिकार किया और क्षेत्रीय विस्तार को केंद्र बनाया।

→ सातवाहन शासकों ने ब्राह्मण धर्म को बढ़ावा दिया और अपने शासनकाल में विभिन्न मूर्तियों के निर्माण पर बल दिया जहाँ अमरावती स्तूप का निर्माण तो साथ ही अंजता गुफा चित्रों के सातवाहनों की भूमिका देखी जाती है

→ क्षत्रियदर्पमानमर्दन की उपाधि ली और अपने साम्राज्य के विस्तार के लिये धर्म को आधार बनाया

→ धार्मिक दृष्टिकोण में उदारता बरते जाने का उल्लेख मिलता है

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

- तो वहीं धार्मिक दृष्टिकोण के लिये अश्वमेध यज्ञ को उल्लेख मिलता है

साहित्य

- साहित्य के क्षेत्र में प्राकृत साहित्य को बढ़ावा दिया और रानी नागनिका का नानाघाट अभिलेख साहित्य को बढ़ावा मिलता है

→ हाल ने गाथासप्तशती की रचना की है

→ तो वहीं गुणाढ्य ने 'बृहत्कथा' की रचना का साहित्य पर बल दिया है।

निष्कर्षतः सातवाहनों ने समाज के माताओं के नाम के साथ नाम जोड़ना स्त्रियों के महत्व को बढ़ाया तो वहीं अश्वमेध यज्ञ के माध्यम, राजसूय यज्ञ के माध्यम से ब्राह्मण धर्म के प्रसार पर बल दिया और प्रजा के कल्याण के लिये कार्य किया गौतमीपुत्र शातकर्णी को प्रजा के सुख में सुखी और दुःख के दुःखी होने वाला शासक बताया गया है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. (a) शिक्षा, संस्कृति, तेलुगु भाषा और साहित्य के क्षेत्र में वेंगी के पूर्वी चालुक्यों के योगदान की चर्चा कीजिये। 20

What were the notable contributions made by the Eastern Chalukyas of Vengi in the areas of education, culture, Telugu language, and literature? 20

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) पाल काल भारत में बौद्ध धर्म और बौद्ध कला के अंतिम महान चरण का गवाह बना। इस संदर्भ में पाल कला की प्रमुख विशेषताओं का परीक्षण कीजिये। 15

The Pala period witnessed the last great phase of Buddhism and of the Buddhist art in India. Examine the main features of Pala art. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) उन कारणों की पहचान करें जिनके कारण प्राचीन भारत में सामंतवाद का उदय हुआ। भारत की सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था पर सामंतवाद के प्रभावों का विश्लेषण कीजिये। 15

Identify the causes that led to the emergence of feudalism in ancient India. Analyze the influence of feudalism on the socio-political system of India. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
टेस्ट-6

DTVF / OPT-23 H-2306

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 **अनिवार्य** हैं तथा बाकी में से **प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न** चुनकर किन्हीं **तीन प्रश्नों** के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर **कोई अंक नहीं** मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत: दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI & ENGLISH**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation